J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 20.08.2020

THE TRIBUNE

DATE FOR ADMISSIONS EXTENDED

Faridabad: The JC Bose University of Science and Technology, YMCA, here has given another chance to students aspiring to pursue master's degree in various disciplines by extending the last date for submission of online application form for admission to all post-graduate (PG) courses to September 15. The university has also issued detailed instructions and criteria for online counseling for admission to all under-graduate (UG) courses except BTech. The spokesperson said 10,000 students had already registered themselves on the admission portal, out of which 5,000 applied for various courses except BTech, the admission for which was done through centralised counselling conducted by the Haryana State Technical Education Society (HSTES). Admission Director Dr Maneesha Garg said the first merit list and cut-off to various UG courses except BTech would be released on August 21 and online counseling by the concerned departments for document verification would be conducted on August 24 to 27. However, the successful candidates in the merit list will have to upload the scanned copy of their original documents on the admission portal using their login ID, she added. Admission to BBA, BCA and BA (Journalism and Mass Communication) courses will be made on the basis of cumulative percentage of qualifying exam. For admission to BSc (Hons) in Physics, Chemistry and Mathematics courses, the merit will be made on the basis of percentage of marks obtained in physics, chemistry, and mathematics or biology in the qualifying exam, she added. The university will conduct second and third counselling from September 1 to 3 and September 7 to 9, subsequently, the merit list for the same will be released on August 28 and September 4, respectively.

The Tribune Fri, 21 August 2020
https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 20.08.2020

PUNJAB KESARI

पीजी पाठ्यक्रमों के लिए दाखिले की अंतिम तिथि 15 सितंबर तक बढ़ाई

- **यूजी पाठ्यक्रमों में दाखिले की पहली मेरिट सूची 21 अगस्त को होगी जारी**
- **कोरोना महामारी के बावजूद दाखिले को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह, कुल सीटों के मुकाबले पांच गुणा आवेदन**

फरीदाबाद, 19 अगस्त(पूजा शर्मा): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने उच्चतर शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थियों को मास्टर डिग्री पाठ्यक्रमों में दाखिले का एक और अवसर देते हुए सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को 15 सितंबर, 2020 तक बढ़ा दिया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने बीटेक को छोड़कर सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश और मानदंड जारी किए हैं। स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पहली मेरिट लिस्ट 21 अगस्त, 2020 को जारी की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि कि कोरोना महामारी के बावजूद विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए काफी उत्साह दिखाया है। विश्वविद्यालय के एडमिशन पोर्टल पर इस बार लगभग 10 हजार विद्यार्थी अपना पंजीकरण करवा चुके है, जिनमें से लगभग पांच हजार ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया है, जो बीटेक को छोड़कर सभी यूजी पाठ्यक्रमों की कुल सीटों का लगभग पांच गुणा है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के बीटेक पाठ्यक्रम में दाखिला हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसाइटी द्वारा संचालित केंद्रीकृत आनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से किया जाता है। निदेशक (एडमिशन्स) डॉ. मनीषा गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय 21 अगस्त, 2020 को बीटेक पाठ्यक्रम को छोड़कर विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों की पहली मेरिट सूची और कट-ऑफ जारी करेगा। इसके उपरांत 24 से 27 अगस्त तक दस्तावेज सत्यापन के लिए संबंधित शिक्षण विभागों द्वारा ऑनलाइन काउंसलिंग आयोजित की जाएगी, जिससे पहले मेरिट में सफल उमीदवारों को अपने लॉगइन आईडी का उपयोग करते हुए एडमिशन पोर्टल पर अपने दस्तावेजों की स्कैन की गई कॉपी अपलोड करनी होगी। डॉ. गर्ग ने बताया कि बीबीए, बीसीए और बीए (जर्नलिज्म एंड मास कमुनिकेशन) पाठ्यक्रमों में दाखिला क्वालीफाइंग परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत के आधार पर किया जाएगा। हालांकि, बीएससी आनर्स के फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ या बायोलॉजी में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। हालांकि विश्वविद्यालय 1 से 3 सितंबर और 7 से 9 सितंबर तक क्रमश: दूसरी और तीसरी काउंसलिंग भी आयोजित करेगा, जिसके आधार पर 28 अगस्त और 4 सितंबर को दूसरी व तीसरी कट-आफ लिस्ट जारी की जाएगी।

इन पाठ्यक्रमों में अभी भी खुला है दाखिला

विश्वविद्यालय के जिन पीजी पाठ्यक्रमो में अभी भी दाखिले के अवसर उपलब्ध है उनमें सात एमटेक पाठ्यक्रम, आठ एमएससी पाठ्यक्रम, एमसीए, एमबीए और एमए के पाठ्यक्रम शामिल हैं। एमटेक पाठ्यक्रमों में मैन्युफैक्चरिंग एंड ओटोमेशन, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइवर, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड क युनिकेशन इंजीनियरिंग, वीएलएसआई डिजाइन और एनर्जी एंड एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग शामिल हैं। एमएससी पाठ्यक्रमों में फिजिक्स, मैथ, कैमिस्ट्री, एनवायरमेंटल साइंसेज, बायोटैक्नोलॉजी, बॉटनी, जूलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी शामिल हैं। इसी तरह जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन, अंग्रेजी और योग में एमए के पाठ्यक्रम में दाखिला के अवसर अभी भी खुले है। इच्छुक विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों के लिए 15 सितंबर, 2020 तक आवेदन कर सकते हैं।

एमबीए एग्जीक्यूटिव में दाखिले का अवसर

डॉ. गर्ग ने बताया कि पीजी स्तर के सभी पाठ्यक्रमों में एमबीए को लेकर विद्यार्थियों की सबसे ज्यादा रूचि देखने को मिली है। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने एमबीए के नियमित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ एमबीए एग्जीक्यूटिव के लिए भी आवेदन आमंत्रित किये है जोकि नौकरीपेशा युवाओं के लिए एक बेहतरीन अवसर हैं।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu,20 August 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 3

NEWS CLIPPING: 20.08.2020

DAINIK JAGRAN

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर शिक्षाविदों के बीच मंथन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: हरियाणा सरकार नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए सभी श्रेणियों के शिक्षाविदों के बीच खुली चर्चा करवा रही है। मंगलवार यह चर्चा स्कूल शिक्षा से शुरू हुई तो बुधवार इसमें उच्च शिक्षा पर मंथन हुआ। उच्च शिक्षा में बदलाव को नई शिक्षा नीति के तहत काफी अहम माना जा रहा है। इसका कारण यह भी है कि अभी तक बारहवीं कक्षा पास छात्र महज 26 फीसद ही उच्च शिक्षा ग्रहण करते थे। नई शिक्षा नीति में सरकार ने इसका लक्ष्य 50 फीसद रखा है। इसके लिए उच्च शिक्षा में अनेक सुधार भी किए हैं। मसलन कोई छात्र पढ़ाई बीच में छोड़ देता है तो वह सात साल की अवधि में दोबारा से शिक्षा ग्रहण कर सकता है। इसके लिए उसे पहले दी हुई परीक्षाओं का लाभ भी मिलेगा। इस बाबत कई शिक्षाविदों ने अपने सवाल भी रखे, मगर क्रियान्वयन योजना तैयार करने वाले शिक्षाविदों ने सभी सवालों के जबाव दिए।

खुली चर्चा

- 155 शिक्षाविदों ने अहम मसलों पर बनाई सहमति
- केंद्र सरकार ने राज्यों से मांगी है क्रियान्वयन योजना

"नई शिक्षा नीति की क्रियान्वयन योजना तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा से जुड़े 155 शिक्षाविदों ने बुधवार तीन घंटे तक मंथन किया है। ज्यादातर शिक्षाविदों का मानना है कि नई नीति में जिन बिंदुओं को लेकर दुविधा हैं,उन पर खुलकर बातचीत हो मगर ये शिक्षाविद एक मत से मानते हैं कि नई शिक्षा नीति देश के आर्थिक, सामाजिक क्षेत्र में बड़ा बदलाव तैयार करेगी। कई विषयों में सार्थक सुझाव आए हैं कि शिक्षा से अतिरिक्त गतिविधियों को कैसे कॅरियर का रूप दिया जाएगा। इसके लिए क्या प्रावधान करने होंगे। अब नई शिक्षा नीति में यह प्रावधान भी है कि पढ़ाई से अलग अतिरिक्त गतिविधियों में भी छात्र अब अपना कॅरियर बना सकते हैं। पहले की शिक्षा में तो बड़ा खिलाड़ी भी याचक की भूमिका में होता था अब उसका अधिकार होगा।

-प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए शिक्षाविदों के विचार सार्थक हैं। कुछ मुद्दों को लेकर सवाल भी हैं मगर उन पर एकमत से सहमति भी बन रही है। अगले दस साल में 2030 कॉलेज किसी विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त नहीं होंगे, बल्कि कॉलेज स्वयं अपनी डिग्री छात्र को दे सकेंगे। इसके बारे में कुछ सवाल सामने आए हैं कि अभी एक विश्वविद्यालय से एक-एक हजार कॉलेज संबद्ध हैं, फिर ये कॉलेज अपने स्तर पर किस तरह डिग्री दे सकेंगे। इसी तरह एक से दूसरी यूनिवर्सिटी में पढ़ने जाने वाले छात्र को डिग्री कौन देगा, आदि-आदि। मगर सभी सवालों के जबाव इस चर्चा में शिक्षाविदों ने आपसी सहमति से निकाल लिया है।"

-प्रो. दिनेश कुमार, कुलपति, जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद

NEWS CLIPPING: 20.08.2020

THE PIONEER

पीजी में दाखिला लेने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने उच्चतर शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थियों को मास्टर डिग्री पाठ्यक्रमों में दाखिले का एक और अवसर देते हुए सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को 15 सितंबर, 2020 तक बढ़ा दिया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने बीटेक को छोड़कर सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश और मानदंड जारी किए हैं। स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पहली मेरिट लिस्ट 21 अगस्त, 2020 को जारी की जाएगी।